



Mr.jitandar

03 Dec 1983

04:40 AM

Bharatpur

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 119348401

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 119348401

Date: 05/09/2025

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 2-03/12/1983
दिन _____: शुक्र-शनिवार
जन्म समय _____: 04:40:00 घंटे
इष्ट _____: 54:27:45 घटी
स्थान _____: Bharatpur
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India
अक्षांश _____: 27:13:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 04:19:56 घंटे
वेलान्तर _____: 00:10:49 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:04:50 घंटे
सूर्योदय _____: 06:52:54 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:25:36 घंटे
दिनमान _____: 10:32:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 16:34:32 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 17:03:38 तुला

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:
चैत्रादि संवत / शक _____: 2040 / 1905
मास _____: मार्गशीर्ष
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 13
तिथि समाप्ति काल _____: 18:58:23
जन्म तिथि _____: 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: स्वाति
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 15:07:54 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: विशाखा
सूर्योदय कालीन योग _____: शोभन
योग समाप्ति काल _____: 16:13:30 घंटे
जन्म योग _____: अतिगण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____: गर
करण समाप्ति काल _____: 07:30:01 घंटे
जन्म करण _____: विष्टि
भयात _____: 33:50:17
भभोग _____: 59:32:14
भोग्य दशा काल _____: गुरु 6 वर्ष 10 मा 14

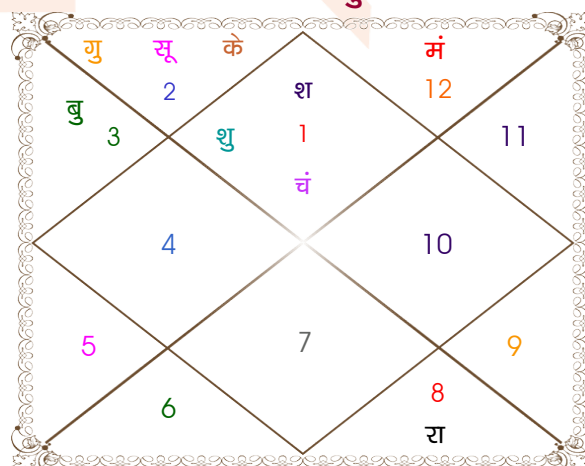
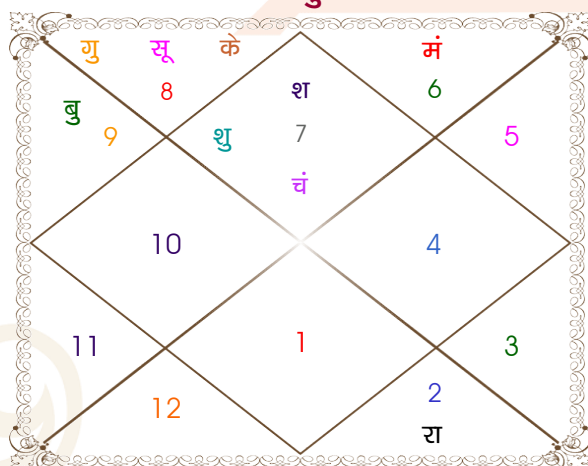
पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंघा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	तुला	17:03:38	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृश्चिक	16:34:32	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
चन्द्र	तुला	27:36:22	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	कन्या	14:50:40	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
बुध	धनु	04:14:15	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	वृश्चिक	25:42:29	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	तुला	02:06:44	मूलत्रिकोण	--	हाँ	--	नेक
शनि	तुला	17:26:47	उच्च राशि	--	हाँ	--	नेक
राहु	व वृष	22:16:45	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व वृश्चिक	22:16:45	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप दानी, भरोसे से काम करने वाले। आप अपने पराक्रम से प्रगति करेंगे। स्वयं उन्नति कर दूसरों के लिए उन्नतिकारक होंगे। स्वयं पराक्रम से धन कमाने वाले, हुनर की कमाई से बरकत पाने वाले। आपको उत्तम सवारी का सुख मिलेगा। आपको तीनों लोकों का सुख प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में मुखिया बनेंगे। धर्म मंदिर-धर्मशाला का निर्माण करवाएंगे। ससुराल एवं पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। माता-पिता/सास-ससुर सगे संबंधियों के लिए अनुकूल तथा परिवार में स्त्रियों के लिए भारी होंगे। आपको सरकार से लाभ मिलेगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारोबार के मालिक भी बन सकते हैं। कर्ण की तरह दानवीर भी बनेंगे।

यदि आपने अपने रिश्तेदारों से जायदाद-धन आदि के लिये मुकद्दमें आदि किये, किसी दूसरे व्यक्ति का माल हड़प किया, सफेद वस्तुएं (चावल-चांदी दूध आदि) मुफ्त ली तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपकी पत्नी, प्रेमिका तथा धन पर बुरा असर पड़ेगा। माता या मौसी पर भी अशुभ प्रभाव होगा। परिवार में स्त्रियों की संख्या कम होगी। इस हालात में बहन, माता/सास, भाभी पर अशुभ असर पड़ सकता है। माता, बुआ या मौसी विधवा हो सकती है। धन, स्त्री, जमीन के लिये मुकद्दमें झगड़े अगर आप करेंगे तो आपका कुल तक नष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त के माल पर नजर न रखें।
2. गिफ्ट या दान न लेवें।

उपाय :

1. नारियल या सरसों का तेल या बादाम धर्म स्थान में दें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से आपका जन्म आपके माता-पिता की तपस्या के बाद हुआ होगा या भगवान की मिन्नतें-मन्नतें मांग कर या आपके जन्म से पहले कई बहनों का जन्म हुआ होगा। आप सबको वशीभूत कर लेते हैं। आप शांत स्वभाव के सुंदर और सफेद कपड़े पहनने के शौकीन हैं। आप विभिन्न भाषाओं के विद्वान होंगे। आपको पैतृक मकान का सुख मिलेगा। आपको जीवन भर संपत्ति की कमी महसूस नहीं होगी। 28 वर्ष की उम्र में विवाह हो तो जीवन भर सुख मिलेगा। पराई अमानत पास रह जायेगी जिससे अमीर हो जाएंगे। जब तक माता जीवित रहेंगी धन-दौलत का अभाव नहीं

रहेगा। लंबी उम्र के मालिक होंगे। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आपके जन्म के बाद पिता की माली-हालत अच्छी होगी। लम्बी आयु, कारोबार तथा धन लाभ के लिए शुभ होगा। बुढ़ापा उत्तम रहेगा। 24 या 27 साल की उम्र में अगर सफर करें तो सफर से वापस घर आकर मां का आशीर्वाद लेने से माता की आयु बढ़ेगी। 24 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

यदि आपने 24 वर्ष आयु से पहले मकान बनाया होगा, 28 वर्ष आयु में विवाह किया हो, आपने नौकरानी से झगड़ा या गाय को कष्ट दिया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से पानी में डूबने का भय, मानसिक रोग, पुत्र सुख का अभाव, अति चिन्ता रहना, शारीरिक कमजोरी, आंख की पुतली खराब होना, घर में बाग-बगीचा हो तो उजड़ा सा रहेगा, आपको दिल की बिमारियां हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पियें।
2. बट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में बारहवे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से मंगल का अच्छा फल मिलेगा। आपकी आवाज बुलंद रहेगी। वैसे आप पत्नी, धन-संपत्ति से सुखी रहेंगे। पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। शत्रु आप से बहुत भयभीत रहेंगे। 24 वर्ष आयु में पुत्र सुख प्राप्त होगा। आपका स्वभाव गर्म रहेगा। आप अपनी मनमर्जी से चलेंगे। आप गरीब से धनवान हो जाएंगे। मुसीबतें टल जाएगी। बीमारी से आपका बचाव होता रहेगा। आपका जन्म बहुत बड़े परिवार में होगा या आपके जन्म के बाद वह परिवार बड़ा हो जाएगा। स्त्री पक्ष से धन लाभ होगा। गुरु और ब्राह्मण की आप सेवा करेंगे। वृद्धों और निर्धनों की सहायता करना आपका स्वभाव रहेगा।

यदि आपने अपने पास हथियार रखा, सुबह उठते ही नमकीन चीजों या नमक का प्रयोग किया, परिवार के लोगों पर जुल्म किया, किसी का अहसान न माना तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। आपकी प्रकृति नीच रहेगी। पत्नी से अच्छा संबंध नहीं रहेगा या पत्नी सुख में न्यूनता आने की आशंका है। आप बुरी संगति से परेशानी में पड़ सकते हैं। अपनी बेवकूफी से अपनी नौकरी-व्यवसाय चौपट कर बैठेंगे। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आपकी बांह पर चोट का निशान या विकलांग होने का भय है। नाड़ियों या खून का

रोग हो ऐसी आशंका है। आपका धन बेकार के कामों में खर्च नहीं होगा। आपको चोरी और क्षति से सावधान रहना पड़ेगा। आपका बड़ा भाई हो तो वह 28 वर्ष आयु तक जीरो हो जाएगा या आपको उससे भाईपन न रहेगा। बड़ा भाई जीवित है तो कई बार जीवन से तंग होकर आत्महत्या करने का विचार पैदा होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. किसी पर भरोसा न रखें।

उपाय :

1. हलुवा या चीनी की रोटी खावें।
2. सुबह उठते ही शहद खावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध तीसरे खाने में है। इसकी वजह से सदैव यात्रा करेंगे। चिकित्साकार्य में यश के भागी बनेंगे। मित्र एवं संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। मिश्रित रूप से उत्तम फल प्राप्ति के योग हैं। आप सगे संबंधियों के अतिरिक्त अन्य लोगों के लिए शुभ हैं। आपके संपर्क के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। आपको धन के लिए उत्तम फल प्राप्त होते हैं। आप फलों के काम, कृषि कार्य, कांसे के बर्तनों का काम तथा पशु पालन कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। संतान एवं मातृपक्ष के परिवारों के लिए आप लाभदायक हैं। आप में दमा के रोगी को ठीक करने की कला है। आप व्यापार में प्रगति करेंगे। आप लड़ाई-झगड़े से परहेज करेंगे तथा आप लड़ाई-झगड़े का दुःसाहस भी नहीं करेंगे। यद्यपि आप भयातुर नहीं रहेंगे। बुरे कार्यों से तटस्थ रहने का प्रयास करेंगे। किसी कार्य को प्रारंभ करने में अनेक विचार उत्पन्न होंगे तथा निर्णय लेने में सहायता की अपेक्षा करेंगे। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करने में भी संकोच नहीं करेंगे।

यदि आपको मूंग खाने का शौक हुआ, बुआ-बहन-लड़की का धन उपयोग किया, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, घर का दरवाजा दक्षिण दिशा में हो तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपका जीवन धूमिल है। आपको भाई-बहन का सुख कम प्राप्त होगा। भाई-बहन से झगड़ा हो सकता है। आपकी भाग्योन्नति में अवरोध उत्पन्न होते रहेंगे। संतान-सुख विलंब से मिलेगा। जुबान में तोतलापन आ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बुआ-मामा से झगड़ा न करें।
2. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगावें।

उपाय :

1. दुर्गा पूजन या कन्याओं की सेवा करें।
2. तोता पालें या तोते को चूरी खिलायें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति दूसरे खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप गुरु का दायित्व निभाएंगे शिक्षा तथा ज्ञान फैला कर उनकी समस्याओं का हल निकाल लेंगे। आपका गृहस्थ जीवन सुखी होगा। दौलत बहुत आ जाएगी। सरकारी कामकाज के अवसर मिलेंगे। आप अपनी जायदाद खुद बनाएंगे। आपके पिता के आशीर्वाद से आपकी दौलत में वृद्धि होगी। अगर आप सरकारी नौकरी करते हैं तो 27वें साल में सरकारी नौकरी में तरक्की होगी। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आप में हुकूमत करने की ताकत होगी और जीवन की हर मंजिल पर फतह पाएंगे। आपका कुछ बुरा होने वाला होगा उसके पहले आपको पता चल जाएगा। आपको अचानक दबा धन मिलने की संभावना है। आपको विद्या का बहुत लाभ मिलेगा। आपकी पत्नी सुंदर होगी। आप जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। आप बहादुर होंगे। खेती-बाड़ी या मिट्टी से संबंधित कामों में या कपड़े से संबंधित नौकरी-व्यापार में अच्छा लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी का विरोध किया, सर्राफी-जौहरी का काम किया, माता-पिता का विरोध किया या माता-पिता को कष्ट दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपकी नजर पर बुरा प्रभाव पड़ने की शंका है। बुढ़ापे में स्वास्थ्य और आर्थिक हालत अच्छी नहीं रहेंगे। आपको दूसरे के झगड़े में पड़ने से नुकसान उठाना पड़ेगा। आप कुछ दुःखी रहेंगे ऐसी आशंका है। आप में बेरहमी भी होगी। पुलिस/कोर्ट से दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सर्राफी/जौहरी के काम न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. मकान में कच्चा हिस्सा जरूर रखें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आपकी सेहत अच्छी रहेगी। देह में पूरी ताकत रहेगी। आप सुंदर, अच्छा भोजन करने वाले तथा सुंदर स्त्रियों पर आसक्त रहने वाले प्राणी हैं। मस्त चाल आशिकाना मिजाज, अपने आप में प्रसन्न रहने वाले हर समय स्त्रियों के जैसे संजने-संवरने वाले तथा सुंदरता के गुलाम होंगे। आप में काम शक्ति की अधिकता रहेगी। आप धनवान और परिश्रमी होंगे। आप अपनी आयु के लोगों के मुखिया होंगे। धार्मिक होते हुए भी इशकवाजी की हवस आपमें रहेगी। आपको अपना भवन और उत्तम वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपको दूसरे से सलाह लेने पर अच्छा मार्ग दर्शन मिलेगा और आपका भाग्योदय होगा।

यदि आपने स्त्रियों के द्वारा धन कमाना शुरु किया या परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, परिवार में मुखिया बने तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपको अपने पिता के साथ लड़ाई-झगड़ा करने से धन की हानि और संपत्ति का नाश होगा। 24-25वें वर्ष में आपका विवाह करना शुभ नहीं है। आपके परस्त्री से अनैतिक संबंध रहेंगे तो आपको हानि होगी। आपके धर्महीन होने से भाई से लाभ असंभव है। आपका कामकाज ढीला पड़ेगा। आपके घर के कुछ हिस्से अनिर्मित रहने चाहिए। आपकी पत्नी और धन पर बुरा असर पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. नास्तिक न बनें।

उपाय :

1. जौ या सरसों या चरी दान करें।
2. कौवे, कुत्ते और गऊ को भोजन का हिस्सा खिलायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पहले खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपके जन्म के बाद आपकी पैतृक संपत्ति और पिता का धन बढ़ेगा। आप इंजीनियर, डाक्टर बन सकते हैं। आप शक्की स्वभाव के होंगे। लोहा/लकड़ी और नमक, आग से संबंधित कामों से अधिक लाभ होगा। आपके धन में वृद्धि होगी। आपके माता-पिता को धन की कमी नहीं रहेगी। आपकी आयु पर कोई भी बुरा असर नहीं पड़ेगा।

यदि आपने झूठ बोला और बदनीयती रखी, व्यसनों में मदहोश रहे, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा भी अधूरी रह जाए या इच्छित शिक्षा नहीं मिले, ऐसी

आशंका है। आप आलसी, अभावग्रस्त और अस्वस्थ रह सकते हैं। आपकी पत्नी, दौलत पर बुरा असर पड़ सकता है। आपके लिये खानदानी या जद्दी काम में बरकत नहीं होगी। आप चोरी, झूठ या धोखाधड़ी करने में भी पीछे नहीं रहेंगे। शरीर पर अधिक बालों का होना निर्धनता का सूचक है। आप अगर सरकारी नौकरी करते हैं तो नौकरी का फल विशेष मंदा रहेगा। सरकार से बहुत अच्छे लाभ का योग नहीं है। पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपके साथ चोरी, धोखेबाजी, संतान को कष्ट या कुछ भी हो सकता है। माता को कष्ट और आपको दुःखी होना पड़े ऐसी आशंका है। आपका कारोबार बिगड़ सकता है या पिता-दादा के कारोबार का दिवाला भी निकल सकता है। भाग्य के बिगड़ने की आशंका है। आग से जलने का भय है। विद्या अधूरी, पेट में खराबी, धन की तंगी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. विवाह या पुत्र जन्म आदि पर खुधी के समय ढोल-बाजे आदि न बजाएं।
2. शराब पीना, मांस खाना और इश्कबाजी दूर रहें।

उपाय :

1. वीरान जगह में सुरमा दबायें (नौकरी-व्यापार में तरक्की के लिये)।
2. बंदर को गुड़ केला खिलायें (धन की तंगी के समय)।
3. वट-वृक्ष की जड़ के दूध का तिलक करें (स्वास्थ्य खराब के समय)।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप को अकस्मात धन का लाभ भी मिलेगा। 28 वर्ष की आयु में भाग्य परिवर्तन के अच्छे योग हैं। आपको कोई मदद करने वाला नहीं होगा मगर आप स्वयं अपने हौसले और परिश्रम से प्रगति करेंगे। आप दिलेर हैं। परिवार में आपकी इज्जत बहुत होगी। आपके काम-काज और रोटी के साधन परिवर्तनशील हैं। आप अपनी मदद स्वयं करेंगे क्योंकि आपका कोई मदद्गार नहीं होगा। आपका सोया हुआ भाग्य जागेगा तो उजड़े खजाने भी भर देगा। ऐशो-आराम के सभी सामान उपलब्ध होंगे।

यदि आपने काले काने, निःसंतान, गंजे या अंगहीन व्यक्ति से झगड़ा किया, दक्षिण दिशा के मुख्य दरवाजे वाले मकान में रिहाईश की, घर में रसोई दक्षिण दिशा में रखी, तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपकी मृत्यु दुर्घटना से संभव है। जन्म के आठवें माह के बाद ही शरीर कष्ट प्रारंभ हो सकता है। आपको धन के झगड़े में नुकसान हो सकता है। आपको बेबसी रोग से कष्ट की आशंका है। पेट बड़ा या पेट में कीड़े की शिकायत भी हो सकती है। आपके जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बेईमानी से कमाये धन से आपको आठ गुणा हानि हो, ऐसी आशंका है। अच्छे खानदान में जन्म लेकर भी काफिर बनेंगे या बुरी सोहबत से बदनामी मिलेगी। कई

बार नीच कर्म भी करना पड़ सकता है। आप बेहाल रहेंगे। अचानक धन की हानि, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। आपकी अकस्मात् मृत्यु संभव है। आपके पिता के लिए अशुभ तथा जद्दी मकान में भी क्षति के योग हैं। यात्रा में भी कोई क्षति की आशंका बनती है। कान, टांग और रीढ़ की हड्डी, पांव आदि पर बुरा असर पड़ सकता है। बिजली, जंगल और पुलिस विभाग की नौकरी से हानि होगी। लोगों का भला करें, बुराई पायें। बुरे कामों के कारण सजा सुनने से पहले या सजा पाने के बाद फरार होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दक्षिण की दीवार में रसोई न रखें।
2. दक्षिण दिशा के द्वार वाले मकान में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के ;स्मंकद्ध के टुकड़े जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप छोटी उम्र में कमाना सीखेंगे, सरकार से वजीफा या धन लाभ मिले, कमीशन एजेंट का कार्य या खजांची का कार्य भी लाभदायक रहेगा। आप अच्छी नौकरी-व्यापार करेंगे। आपको अपने व्यवसाय के सिलसिले में बार-बार यात्रा करना लाभदायक रहेगा। आप स्थल की यात्रा बहुत करेंगे। आप बड़ी संपदा के मालिक बनेंगे आपका धन अच्छे कर्मों में खर्च होगा। युवावस्था के पश्चात् जीवन सुख से बीतेगा। आपको पिता की संपत्ति मिलेगी। आपकी लाखों-करोड़ों की आई-चलाई मगर जितना धन दलाल को मिलता है, उतना ही धन आपको मिलेगा। आप अपनी कमाई से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। जीवन खुशहाल रहेगा। लाखों की धन-जायदाद सुरक्षित रहेगी। आमदनी ठीक होती रहेगी। आप अपने भाग्य पर संतुष्ट रहेंगे। आपको भाग्य का शुभ फल प्राप्त होगा। आपको अच्छा गृहस्थ सुख मिलेगा। अपने जीवन में उन्नति करेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। आपको अपनी भूमि, भवन का लाभ मिलेगा।

यदि आपने दो विवाह किये, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, सट्टा, जुआ आदि खेला तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारणवश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से अगर आपका चाल-चलन खराब हुआ तो बुढ़ापा दुःखमयी व्यतीत होगा या संतान सुख नहीं मिलेगा। जुएं-सट्टे के काम में हानि होगी। शराब-बीयर पीना हानिकारक है। तबदीली की शर्त होगी, तरक्की की कोई शर्त न होगी। जीवन के 16वें तथा 22वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है या जीवन में उतार-चढ़ाव आता रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

उपाय :

1. कन्याओं की सेवा करें।
2. स्त्री की सेवा करें।



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

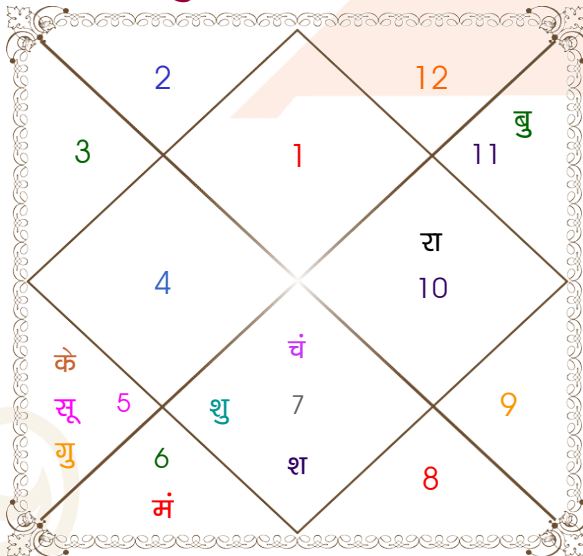
वर्तमान आयु - 43
वर्तमान दशा - राहु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	नेक

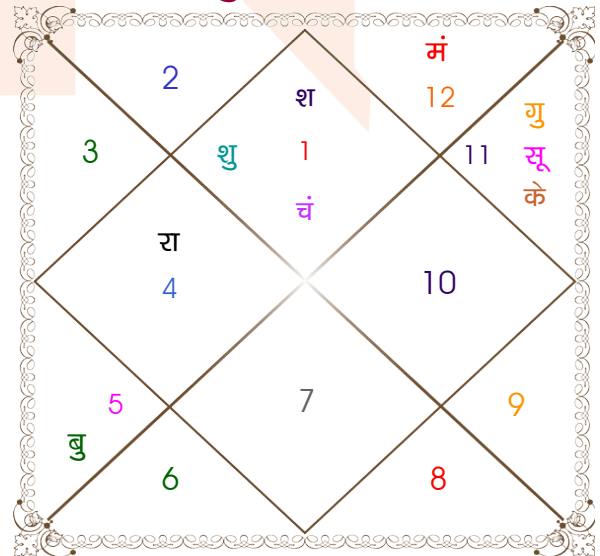
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार में अगर झूठ और बेईमानी का धन आना शुरू हुआ तो वह धन रोग में नष्ट होगा, पैर में खराबी, संतान तथा आर्थिक स्थिति का आपको विशेष ध्यान रखना पड़ेगा। पत्नी की तरफ से चिंता रहेगी। आपको सब के साथ मिल-जुल कर कार्य करना चाहिए। राजा और साधू से नेक संबंध रखें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुजुर्गों के रीति-रिवाज जरूर मानें।
2. साला, जीजा, दोहता/भांजे की सेवा करें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों में अधिक सफलता नहीं मिलेगी। चाल चलन खराब रखेंगे तो धन हानि का कारण बनेंगे। दूध और पानी मोल बेचने से धन, परिवार या संतान की चिंता बढ़ेगी। पत्नी से दूरी या संबंध विच्छेद का भय रहेगा। विदेश यात्रा या विदेश से संबंधित कामों में हानि का भय रहेगा।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध या पानी का दान करें।
2. इस वर्ष विवाह का योग हो तो विवाह से पहले पत्नी के वजन के बराबर चावल या दरिया का पानी घर में कायम रखें।
3. ठोस शुद्ध चांदी घर में कायम रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष परिवार में खुशी का योग बनेगा, छोटे भाई की मदद करेंगे, शत्रुओं में कमी होगी या शत्रु दबे रहेंगे, साहुकारा (लिखा-पढ़ी करके ब्याज पर रुपया-पैसा देना) करने से लाभ होगा, प्रसन्नचित्त रहेंगे और दूसरों को भी प्रसन्न रखेंगे। साधू-संन्यासी की तरह जीवन व्यतीत करेंगे और जनता की सेवा करेंगे। परिवार व समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. भाई से झगड़ा न करें।
2. पुत्र का जन्म हो तो जन्म पर मीठा या मिठाई न बांटे यदि मिठाई बांटनी हो तो मिठाई के साथ नमकीन चीज जरूर दें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी, आलस्य से दूर रहें। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगे। आपकी मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिलेगा। आपकी मित्रता से सबको लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरू हो जाएगी। पिता-दादा की मदद शक्की हो सकती है। वर्ष शुरू होते ही आपकी तरक्की होगी। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें।
2. नास्तिक न बनें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मकान-वाहन का सुख मिलेगा। काले रंग की स्त्री का साथ, आपका भाग्य को जगाने और आपकी तरक्की में सहायक हो सकती है। विवाह से संबंधित चीजों के कारोबार से लाभ मिले। जददी घर से दूर जाना पड़ सकता है। पत्नी-माता में मां-बेटी जैसा संबंध रहेगा। पत्नी सुशीला और सेवा करेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सफेद गाय की पालना या सेवा न करें।
2. बिल्ली की जेर चमड़े के पर्स में न रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और बुजुर्गों से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पत्नी के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गों मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करते हैं तो उच्च पद मिले या सरकार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरू हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष गुरु भक्ति में रुचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला न लगा रहें। ताले को कभी-कभी खोलते रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- बंदरों को गुड़ और चना/केले खिलायें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

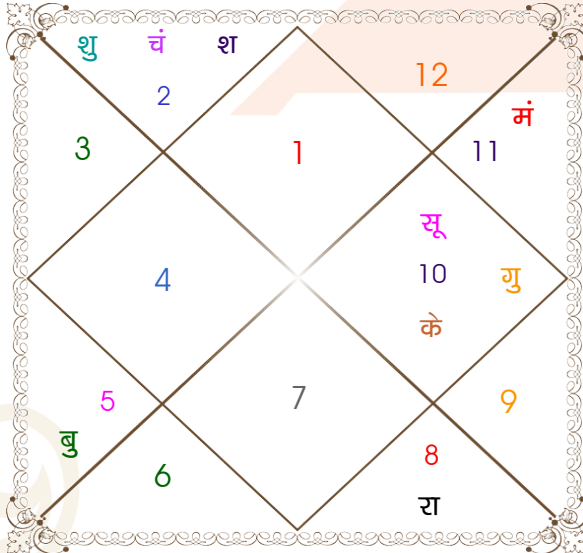
वर्तमान आयु - 44
वर्तमान दशा - राहु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	हाँ	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

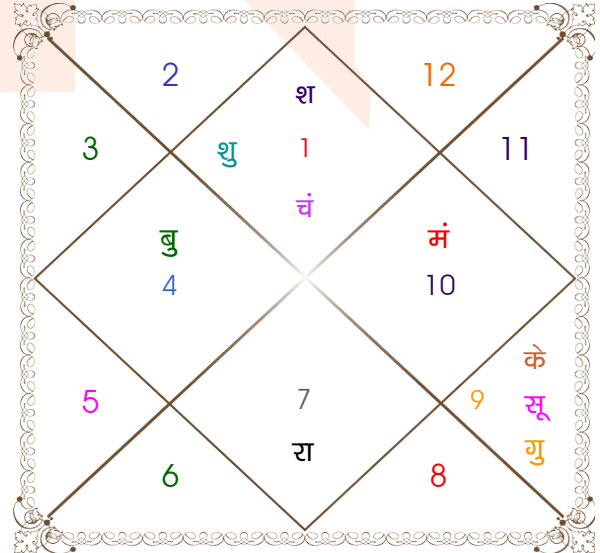
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता का सुख कम या पिता से लाभ न मिलेगा। आंखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, टोपी पहनें या पगड़ी/स्कार्फ बांधें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको बूढ़ी स्त्री या माता से झगड़ा करना आपकी तरक्की में रुकावट होगा, मांस-शराब का सेवन संतान विद्या या संतान की चिंता हो सकती है। आंखों में रोग का भय रहेगा, बहन-बेटी की चिंता रहेगी। जमीन-जायदाद के लाभ में रुकावट का कारण आपके अपने भाई-बंधु होंगे फिर भी उनसे झगड़ा न करें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. माता या माता समान स्त्री के पैर छूकर आशीर्वाद लेवें।
2. माता से दूरी के समय माता से चावल-चांदी सफेद कपड़े में बांध कर पास रखें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका स्वभाव न्यायप्रिय रहेगा, अपनी किस्मत स्वयं अपने हाथों से बनाएंगे, कारोबार में तरक्की होगी, जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा और इस वर्ष आपको सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा, आपको शत्रुओं से कोई भय नहीं रहेगा या शत्रु भी मित्र बन जायेंगे।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किसी पर भी भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा और सुख के साधन मिलेंगे, ज्योतिष विद्या और धर्म-अध्यात्म के प्रति रुचि, आप जो बात मुंह से कहेंगे वह सच हो सकती है अर्थात् आपके मुंह से निकला वाक्य ठीक वाक्य माना जा सकता है। अचानक धन लाभ होगा और बहुत अच्छे दिन देखने को मिलेंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाईश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाईश न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यक्ति से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिट्टी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकते हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता को कष्ट हो सकता है सास/माता की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रुमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



पुण्य चक्र ज्योतिष केंद्र

Karnal
9852

harish.rattan15@gmail.com